शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार
पाठ्यक्रम
सत्र: 2026-2027

विषय: सामाजिक विज्ञान — कक्षा-VIII (मध्य स्तर)

पुस्तक- समाज का अध्ययन: भारत और उसके आगे भाग-1				
अध्याय संख्या और नाम	**पाठ्यचर्या लक्ष्य (NCF SE 2003 के अनुसार)**	**पाठ्यचर्या दक्षता**	**अधिगम संप्राप्ति**	**सुझावात्मक गतिविधियाँ**
अध्याय 1: प्राकृतिक संसाधन एवं उनका उपयोग	**CG-6:** स्थानीय से वैश्विक स्तर तक संसाधनों के स्थानिक वितरण, उनके संरक्षण का महत्व, प्राकृतिक घटनाओं और मानव जीवन के बीच पारस्परिक निर्भरता तथा उनके पर्यावरणीय और अन्य प्रभावों का विश्लेषण करते हैं।	**C-6.4:** विभिन्न प्रकार की आजीविकाओं के स्वरूप को अलग-अलग स्थलाकृतियों, संसाधनों की उपलब्धता तथा जलवायु की परिस्थितियों और परिवर्तनों (स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं वैश्विक संदर्भों में) से संबद्ध करते हैं।	• प्राकृतिक संसाधनों के वितरण और जीवन के विभिन्न पहलुओं के बीच संबंध स्थापित करते हैं। • विभिन्न प्रकार के संसाधनों का वर्गीकरण करते हैं। • विभिन्न अनुसंधान विधियों के आधार पर समकालीन सामाजिक चिंताओं के प्रति सार्थक समाधान प्रस्तुत करते हैं।	• अपने दैनिक जीवन में उपयोग किए जाने वाले संसाधनों की एक सूची बनाइए और उन्हें नवीकरणीय (Renewable) तथा अनवीकरणीय (Non-renewable) संसाधनों में वर्गीकृत कीजिए। यह भी पता कीजिए कि इन अनवीकरणीय संसाधनों के स्थान पर कौन-कौन से संभावित नवीकरणीय विकल्प अपनाए जा सकते हैं। • अपने आसपास होने वाली उन मानवीय गतिविधियों की सूची बनाइए, जिनके कारण प्रकृति की स्वयं को पुनर्स्थापित (Restore) और पुनःपूरित (Regenerate) करने की क्षमता कम होती जा रही है। • भारत के राजनीतिक मानचित्र पर महत्वपूर्ण खनिजों के स्थानों को चिन्हित कीजिए।
अध्याय-2: भारत के राजनीतिक मानचित्र का पुनर्निर्माण	**CG-1:** मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं से संबंधित स्रोतों को समझता और उनका सार्थक विश्लेषण करते हैं।	**C-1.1:** मानव जीवन के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक तथा सामाजिक-राजनीतिक पहलुओं को समझने के लिए विभिन्न प्रकार के स्रोतों (प्राथमिक एवं द्वितीयक) से जानकारी एकत्रित करते हैं तथा उनका व्याख्या एवं विश्लेषण करते हैं।	• 11वीं–17वीं शताब्दी के दौरान भारत की राजनीतिक सीमाओं के पुनर्गठन के कारणों का उल्लेख करते हैं। • विभिन्न शासकों की प्रशासनिक व्यवस्थाओं की तुलना करते हैं। • सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक जीवन पर पड़े प्रभावों का विश्लेषण करते हैं।	• 11वीं–17वीं शताब्दी की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं की समयरेखा बनाइए। • अध्याय में 2.3, 2.12 और 2.16 पर दिए गए मानचित्रों की तुलना कर हुए परिवर्तनों की पहचान कीजिए। • मुगलों का विरोध करने वाली क्षेत्रीय शक्तियों की सूची बनाकर उनके कारणों पर चर्चा कीजिए। • अहोम राज्य की 'पाइक प्रणाली' के प्रभाव पर चर्चा कीजिए।

	CG-3: सामाजिक एवं ऐतिहासिक घटनाओं के कारण और परिणामों को जोड़ता तथा उनके मानव जीवन पर प्रभाव को समझते हैं।	**C-3.2:** अपने क्षेत्र तथा विश्व के अन्य भागों में सामाजिक समूहों और समुदायों के बीच सामंजस्य एवं संघर्ष के कारणों की पहचान करते हैं तथा उनके मानव समाज पर प्रभाव का विश्लेषण करते हैं।		• विभिन्न राज्यों की सीमाओं को भारत के मानचित्र पर दर्शाइए।
अध्याय 3 : मराठा साम्राज्य का उदय	**CG-2:** मानव सभ्यताओं में निरंतरता और परिवर्तन की प्रक्रिया को उनके संदर्भ से जुड़े विशिष्ट उदाहरणों तथा कुछ ऐतिहासिक घटनाओं के माध्यम से समझते हैं।	**C-2.1:** अतीत में हुए प्रमुख परिवर्तनों तथा उनके समाज पर पड़े प्रभावों की व्याख्या एवं विश्लेषण करते हैं। **C-2.2:** समाज में बड़े परिवर्तनों के बावजूद मानव समाज में प्रचलित कुछ मान्यताओं, संबंधों, परंपराओं और गतिविधियों की निरंतरता को पहचानते हैं।	• मराठों के उदय के कारणों की व्याख्या करते हैं। • मराठा एवं मुगल प्रशासन की तुलना करते हैं। • भारतीय इतिहास में मराठा साम्राज्य के प्रभाव का मूल्यांकन करते हैं।	• मराठा शासनकाल की समयरेखा बनाइए। • किसी एक मराठी भक्त संत (ज्ञानेश्वर, नामदेव, तुकाराम, रामदास) के जीवन, खास शिक्षाओं और उनकी किसी कविता या भजन (अभंग) पर प्रस्तुति तैयार कीजिए। • भरतनाट्यम नृत्य का मराठों के साथ संबंध की खोज कीजिए। • मराठा साम्राज्य के महत्वपूर्ण स्थानों को मानचित्र पर दर्शाइए।
अध्याय 4: भारत में औपनिवेशिक काल	**CG-1:** मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं से संबंधित स्रोतों को समझते हैं और उनका सार्थक व्याख्या एवं विश्लेषण करते हैं।	**C-1.1:** मानव जीवन के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक तथा सामाजिक-राजनीतिक पहलुओं को समझने के लिए विभिन्न प्रकार के स्रोतों (प्राथमिक एवं द्वितीयक) से जानकारी एकत्रित करते हैं तथा उनका व्याख्या एवं विश्लेषण करते हैं। **C-1.2:** मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं से संबंधित आँकड़ों को, जो पाठ, सारणी, चार्ट, आरेख और मानचित्र के रूप में दिए गए हों, प्रस्तुत करते हैं तथा उनका विश्लेषण करते हैं।	• यूरोपीय शक्तियों को भारत की तरफ आकर्षित करने वाले कारकों की सूची बनाते हैं। • औपनिवेशिक शासन के प्रभाव का मूल्यांकन करते हैं। • औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध भारतीय प्रतिक्रिया का विश्लेषण करते हैं।	• 1498 से 1858 के दौरान हुई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं की समयरेखा तैयार कीजिए। • औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध प्रतिरोध आंदोलनों की सूची तैयार कीजिए। एवं इनमें से किसी एक आंदोलन (आदिवासी, किसान, या रियासत) पर एक समूह रिपोर्ट या पोस्टर तैयार कीजिए और कक्षा में प्रस्तुति दीजिए। • अध्याय में दिए गए किसी भी विद्रोह को चुनिए और उसके मुख्य बिन्दुओं पर नाटक/ गीत/ कविता/ सीरीज़ ड्राइंग या पेंटिंग आदि की सहायता से एक प्रस्तुति तैयार कीजिए। • भारत के राजनीतिक मानचित्र पर विद्रोहों के केंद्र चिन्हित कीजिए।।
अध्याय-5: सार्वभौमिक मताधिकार और	**CG-8:** भारत के संविधान के निर्माण एवं विकास की प्रक्रिया को समझते हैं तथा भारतीय	**C-8.3:** स्थानीय स्वशासन की त्रिस्तरीय व्यवस्था के कार्यप्रणाली की व्याख्या करते हैं	• लोकतांत्रिक व्यवस्था में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के महत्व की व्याख्या करते हैं।	• चुनाव की प्रक्रिया में शामिल सभी चरणों का इस्तेमाल करते हुए सामाजिक विज्ञान कालांश के

भारत की निर्वाचन प्रणाली	समाज में लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने में उसके महत्व की सराहना करते हैं।	तथा जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को सुदृढ़ करने में उसके महत्व कोसमझते हैं।	• भारत में चुनाव प्रक्रिया के चरणों की जांच करते हैं। • लोकसभा, राज्यसभा और राष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया की तुलना करते हैं।	लिए कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव कीजिए। (EVM की जगह बैलेट पेपर से वोट डाला जा सकता है।) • चुनावों में सोशल मीडिया की बढ़ती भूमिका पर वाद-विवाद का आयोजन कीजिए। • भारत में चुनावों में कम वोटर टर्नआउट की समस्याओं पर चर्चा कीजिए और इस समस्या को हल करने के उपायों पर चर्चा कीजिए।
अध्याय 6: संसदीय प्रणाली- विधायिका और कार्यपालिका	**CG-8:** भारत के संविधान के निर्माण एवं विकास की प्रक्रिया को समझाता समझती है तथा भारतीय समाज में लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने में उसके महत्व की सराहना करताकरती है।	**C-8.1:** पिछले कुछ शताब्दियों में किसी भी देश, विशेषकर भारत जैसे देश के संदर्भ में, के लिए संविधान की आवश्यकता तथा उसके गहन उद्देश्यों को पहचानते हैं।	• संसद के कार्यों का वर्णन करते हैं। • लोकसभा और राज्यसभा की संरचना व कार्यों की तुलना करते हैं। • विधायिका एवं कार्यपालिका की भूमिकाओं में अंतर स्पष्ट करते हैं।	• एक विधेयक का क़ानून बनने की प्रक्रिया को दिखाते हुए कक्षा में 'मॉडल पार्लियामेंट' की प्रस्तुति कीजिए। • भारतीय संविधान ने यह कैसे सुनिश्चित किया कि अलग-अलग राय सुनी जाएं? विषय पर चर्चा का आयोजन कीजिए। • संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने में न्यायपालिका की भूमिका पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन कीजिए। • 17वीं और 18वीं लोकसभा के असर के अध्ययन पर एक ग्रुप प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कीजिए और कक्षा में प्रस्तुत कीजिए। (उदाहरण के लिए- पार्टी के हिसाब से सीटें, सेशन का नाम, सेशन में कितने दिन, दिनों को अलग-अलग काम के घंटों में कैसे बांटा जाता है, कौन से महत्वपूर्ण बिल पेश किए गए, किसने बिल पेश किए, कितने मेंबर इस पर बोले, कितने बिल पास होकर कानून बने, इन बिलों का क्या असर हुआ आदि।)
अध्याय 7 : उत्पादन के कारक	**CG-9:** आर्थिक गतिविधियों उत्पादन एवं उपभोग, व्यापार और वाणिज्य की प्रक्रियाओं को समझते हैं।	**C-9.1:** व्यापार और वाणिज्य के प्रमुख तत्त्वों (वस्तुएँ, उत्पादन, उपभोग और पूँजी की व्याख्या करते हैं तथा उनके व्यक्ति के जीवन और समाज परे प्रभाव को स्पष्ट करते हैं।	• भूमि, श्रम, पूंजी और उद्यमिता की व्याख्या करते हैं। • शिक्षा और स्वास्थ्य की भूमिका स्पष्ट करते हैं। • सतत उत्पादन के महत्व का मूल्यांकन करते हैं।	• अपने आसपास में हो रही आर्थिक गतिविधियों का सर्वे कीजिए। उस आर्थिक गतिविधि में शामिल उत्पादन के कारकों पर एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कीजिए। • अपने परिवार और आस-पड़ोस में 4-5 वयस्कों का साक्षात्कार लीजिए और उस आधार पर उन आर्थिक गतिविधियों की सूची बनाइए बनाएं जिनमें वे काम करते हैं, उनसे पूछें कि इस काम के लिए उन्होंने किस तरह की पढ़ाई की, क्या उन्हें अपने काम के

				लिए किसी तरह की तकनीकी अथवा व्यावसायिक ट्रेनिंग की ज़रूरत पड़ी, काम करने की जगह पर सुरक्षा के क्या हालात हैं, खुद का या अपने परिवार का गुज़ारा करने के लिए उन्हें प्रतिदिन कितने घंटे काम करने की जरुरत होती है, तथा आर्थिक गतिविधियों में शिक्षा और स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित कीजिए।

नोट:

- निर्धारित पाठ्यक्रम 5 सितंबर 2026 तक पूरा कर लिया जाए जिससे पुनः पठन एवं अधिगम के सुदृढ़ीकरण के लिए पर्याप्त समय मिल सकें।
- शिक्षक/ शिक्षिकाओं से आशा की जाती है कि जहाँ भी संभव हो, वे उभरे हुए ग्लोब और मानचित्रों का उपयोग कीजिए, जिससे अनुभवात्मक और समावेशी शिक्षण को प्रोत्साहित किया जा सके।
- सभी शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाएँ, मूल्यांकन पद्धतियाँ और कक्षा-कक्ष की गतिविधियाँ राष्ट्रीय पाठयचर्या रूपरेखा - 2023 में बताए गए पाठ्यक्रम लक्ष्यों (CG) और दक्षताओं (Cs) के अनुरूप होनी चाहिए।

मध्यावधि परीक्षा- 2026

मानचित्र कार्य	
अध्याय-1: प्राकृतिक संसाधन और उनका उपयोग	महत्वपूर्ण खनिजों का वितरण (पृष्ठ-9)
अध्याय-2: भारत के राजनीतिक मानचित्र का पुनर्गठन	तुगलक और लोदी के अधीन इलाके (पृष्ठ-24), दक्कन और विजयनगर साम्राज्य में राज्य (पृष्ठ-33), मुगल और अलग-अलग समय में क्षेत्रीय ताकतों का उदय (पृष्ठ-39).
अध्याय-3: मराठों का उदय	1759 में मराठा साम्राज्य का विस्तार (पृष्ठ-71)।
अध्याय-4: भारत में औपनिवेशिक युग	झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, वेल्लोर, बैरकपुर , मेरठ, दिल्ली, कानपुर, लखनऊ, झांसी।